Amar Ujala dt. 06.11.2026

शिक्षा का उद्देश्य सर्वांगीण विकास करना : डॉ. राजेश

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान और अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। वह सेंट मैरी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

समारोह में खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी धर्मशाला अनीता बरसैन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला होते हैं, जहां संस्कार और अनुशासन की सीख मिलती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। ब्यूरो

Amar Ujala dated
06.11.2026

संबद्धता के लिए 1,146 स्कूलों ने किए आवेदन

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड को शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए संबद्धता हेतु 1,146 स्कूलों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 50 स्कूलों ने नई संबद्धता, 44 ने उन्नयन और 1,043 स्कूलों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है।

वहीं, नौ स्कूलों ने तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए संबद्धता मांगी है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2026 निर्धारित थी। वर्तमान में 57 स्कूल पहले से बोर्ड से संबद्ध हैं। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि संबद्धता प्रक्रिया में निर्धारित नियमों और मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि स्कूलों में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था बनी रहे। ब्यूरो

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

सेंट मैरी स्कूल सिद्धपुर में वार्षिक समारोह की धूम

धर्मशाला। सेंट मैरी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर में गुरुवार को वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। इसमें हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी धर्मशाला अनीता बरसैंन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। समारोह को संबोधित करते हुए डा. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान और अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

Dainik Jagran Dt. 06-11-2026

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो शिक्षा का उद्देश्य



सेंट मैरी स्कूल के वार्षिक समारोह में शामिल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ● सौ. स्कूल

जागरण संवाददाता। धर्मशाला : सेंट मैरी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर में वार्षिक समारोह में मनाया गया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी धर्मशाला अनीता बरसैंन भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। डा. शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान और अच्छे अंक हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में शिक्षा के साथ नैतिक मूल्य, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारियों की समझ जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्पष्ट लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत और लगन से उसे हासिल करने का आह्वान किया। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

जंबल स्कूल के मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

जागरण संवाद केंद्र, डाडासीबा : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जंबल में वार्षिक समारोह मनाया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर प्रशंसा बटोरी। प्रदेश कांग्रेस महासचिव ठाकुर सुरेंद्र सिंह मनकोटिया मुख्य अतिथि रहे। प्रधानाचार्य वीरेंद्र चड्डा ने वार्षिक रिपोर्ट में शैक्षणिक, खेलकूद और अन्य गतिविधियों की उपलब्धियां बताईं। मनकोटिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल की लत बच्चों, किशोरों और युवाओं के लिए नुकसानदायक हो सकती है। मोबाइल का उपयोग जरूरत के अनुसार सीमित समय तक करना चाहिए।



जंबल स्कूल में मुख्य अतिथि के साथ शिक्षक व विद्यार्थी ● सौ. स्कूल

Himachal Dastak dated 06.11.2026

सकारात्मक सोच को जीवन का हिस्सा बनाने का दिया संदेश

धर्मशाला। सेंट मेरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिद्धपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में पहुंचे डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक सोच को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि केवल किताबी ज्ञान ही सफलता का आधार नहीं है, बल्कि अच्छे संस्कार, आत्मविश्वास और अनुशासित जीवन भी व्यक्ति को आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। ऐसे में उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी के साथ प्रयास करना चाहिए।

डिजिटल अख़बार
पहली नज़र
सबसे पहले, सबसे तेज
05 नवंबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नज़र के साथ

सेंट मैरी स्कूल, सिद्धपुर के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा





मोनिका शर्मा, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा 5 नवंबर, 2026 को सेंट मैरी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सिद्धपुर के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। समारोह में खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (BEEO), धर्मशाला श्रीमती अनीता बरसैंन भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान एवं अच्छे अंक प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारियों को समझना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी : डॉ. राजेश शर्मा

उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला होते हैं, जहां उन्हें न केवल शैक्षणिक ज्ञान मिलता है, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संस्कार, अनुशासन एवं व्यवहारिक समझ भी विकसित होती है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करने के साथ-साथ उनके भविष्य निर्माण में भी अहम योगदान देते हैं। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षकों से विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं आत्मविश्वास विकसित करने में सहायक होती हैं।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

समारोह के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों की वर्षभर की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में उपलब्धियों को भी सराहा गया।